दो गवाह

प्रकाशितवाक्य 11

प्रकाशितवाक्य 11: दो गवाह

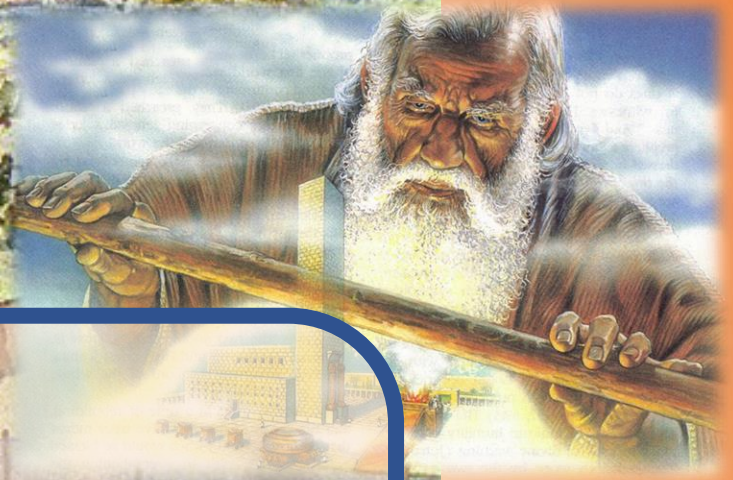

स्वर्ग

"मन्दिर साक्षी का तम्बू स्वर्ग में खोला गया"

(प्रकाशितवाक्य 15:5)

पृथ्वी

पवित्र नगर 42 महीनों तक रौंदा गया

जिस वेदी का उल्लेख किया गया है वह धूप की वेदी है।

“मैं अपने दो गवाहों को यह अधिकार दूँगा कि टाट ओढ़े हुए एक हज़ार दो सौ साठ दिन तक भविष्यद्वाणी करें।” ये वे ही जैतून के दो पेड़ और दो दीवट हैं, जो पृथ्वी के प्रभु के सामने खड़े रहते हैं।” (प्रकाशितवाक्य 11:3-4)

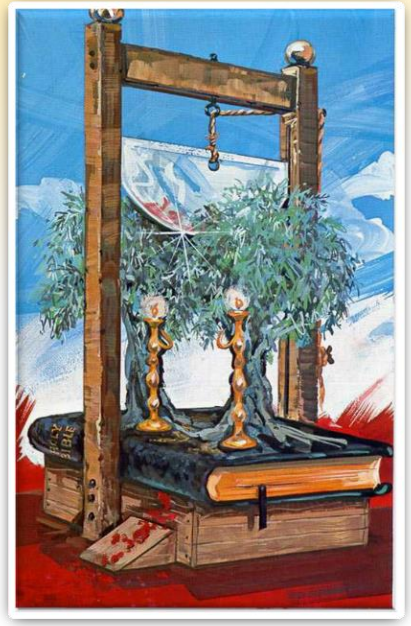

“उसने मुझ से पूछा, “तुझे क्या दिखाई पड़ता है?” मैं ने कहा, “एक दीवट है, जो सम्पूर्ण सोने की है, और उसका कटोरा उसकी चोटी पर है, और उस पर उसके सात दीपक हैं; जिन के ऊपर बत्ती के लिये सात सात नालियाँ हैं। दीवट के पास जैतून के दो वृक्ष हैं, एक उस कटोरे की दाहिनी ओर, और दूसरा उसकी बाईं ओर।” (जकर्याह 4:2-3)

“तब मैंने उस दूत से जो मुझ से बातें करता था पूछा, “हे मेरे प्रभु, ये क्या हैं?” जो दूत मुझ से बातें करता था, उस ने मुझ को उत्तर दिया, “क्या तू नहीं जानता कि ये क्या हैं?” मैंने कहा, “हे मेरे प्रभु, मैं नहीं जानता।” तब उसने मुझे उत्तर देकर कहा, “जरुब्बाबेल के लिये यहोवा का यह वचन है : न तो बल से, और न शक्ति से, परन्तु मेरे आत्मा के द्वारा होगा, मुझ सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।” (जकर्याह 4:4-6)

जकर्याह 4:6 की तुलना करने पर, ये दो गवाह पुराना नियम और नया नियम हैं; परमेश्वर का वचन जो 538 और 1798 के बीच, 42 महीनों तक, यानी 1,260 वर्षों तक कठोर उत्पीड़न के माध्यम से गवाही देता है।

वह पशु जो अथाह कुण्ड से उठता है

प्रथम फ्रांसीसी गणतंत्र (1789-1801)

मिस्र

- नास्तिक सरकार।
- "यहोवा कौन है? मैं यहोवा को नहीं जानता" (निर्गमन 5:2)

सदोम

- व्यापक नैतिक भ्रष्टाचार।
- एक वेश्या को तर्क की देवी के रूप में पूजा जाता है।

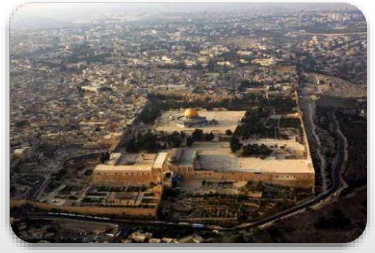

यरूशलेम

- सूली पर चढ़ना मसीह की निश्चित अस्वीकृति का एक कार्य था।
- फ़्रांस ने मसीह को अस्वीकार करके और उसके शिष्यों को मारकर उसे "सूली पर चढ़ाया"।

साढ़े तीन दिन = साढ़े तीन वर्ष

26 नवंबर, 1793 को, "आतंक की सरकार" के बीच, पेरिस में धर्म को खत्म करने के लिए एक फरमान जारी किया गया था।

17 जून 1797 को फ्रांस सरकार ने धर्म के मानने पर लगे प्रतिबंध हटा दिये।

दो गवाहों के "पुनरुत्थान" के बाद, बाइबल को परमेश्वर द्वारा एक ऐसे स्थान पर रखा गया था जहाँ अब मनुष्य द्वारा उस पर हमला नहीं किया जा सकता था।

बाइबल के अध्ययन में रुचि एक "भूकंप" थी जिसने दुनिया को झकझोर कर रख दिया।

उनके सभी शत्रु उस भूकंप में "मर गए", और पूरी दुनिया में इसके प्रसार को रोकने में असमर्थ रहे।

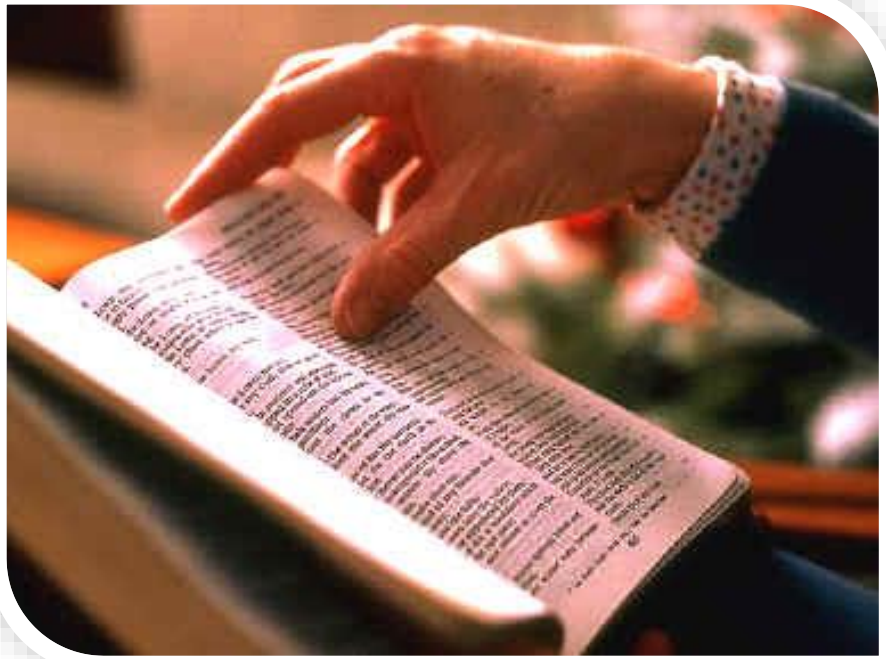

1804 में, ब्रिटिश एंड फॉरेन बाइबिल सोसाइटी का जन्म लंदन में हुआ, जो पूरी तरह से बाइबल के प्रसार और सभी ज्ञात भाषाओं में इसके अनुवाद को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित थी।

2009 में, बाइबल सोसायटियों ने दुनिया भर के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को 561 मिलियन पवित्र शास्त्र प्रदान किए। इसमें 20 मिलियन से अधिक बाइबल, 18.5 मिलियन नए नियम, बाइबल की 33 मिलियन एक-एक पुस्तकें और लगभग 490 मिलियन बाइबल के छोटे पद्यांश शामिल हैं।